

गाजियाबाद में दुकानदारों को बड़ा झटका, दुकानों का बढ़ गया इतना किराया; निगम की बैठक में प्रस्ताव पास

गाजियाबाद नगर निगम की दुकानों का किराया बढ़ाने को लेकर हर बोर्ड बैठक में चर्चा होती रही लेकिन मंगलवार को यह प्रस्ताव भी पास हो गया है। निगम की दुकानों का किराया 4000 रुपये से 16000 रुपये तक स्थान के आधार पर तय किया गया है। सदन में पार्षद राजीव शर्मा नीरज गोयल ने दुकानों का किराया बढ़ाने का विरोध किया लेकिन ज्यादातर पार्षद इसके पक्ष में रहे।

गाजियाबाद। नगर निगम की बोर्ड बैठक में मंगलवार को कुल 31 प्रस्ताव पेश किए गए, जिसमें दुकानों का किराया बढ़ाने सहित 29 प्रस्ताव पास कर दिए गए, दो प्रस्ताव निरस्त किए गए। इस दौरान सदन ने निर्णय लिया कि इंदिरापुरम हैंडओवर के मामले पर महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक मिलकर जीडीए अधिकारियों और मंडलायुक्त के साथ बैठक में फैसला लेंगे। इससे इंदिरापुरम के जल्द ही हैंडओवर की आस जगी है, लगभग 35 साल से यह मांग इंदिरापुरम के लोग कर रहे हैं। बोर्ड बैठक में महापौर ने बताया कि इंदिरापुरम के हैंडओवर के मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी वार्ता हुई थी, उन्होंने जीडीए को विकास कार्य करवाकर देने के लिए कहा है। जीडीए की ओर से फंड की कमी बताई जा रही है, इस वजह इंदिरापुरम हैंडओवर नहीं हो पा रहा है। इस संबंध में मंडलायुक्त के साथ बैठक होनी है, सभी लोग चाहते हैं कि इंदिरापुरम नगर निगम के हैंडओवर हो, लेकिन नगर निगम को यह भी देkhना है कि उस पर अतिरिक्त भार न पड़े, इस वजह से प्रयास किया जाएगा कि जीडीए आवश्यक कार्य कराए।

नोएडा एयरपोर्ट के नजदीक बनेगा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क, प्राधिकरण ने शुरू की सर्वे की प्रक्रिया

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक लॉजिस्टिक पार्क विकसित होगा। मास्टर प्लान 2041 में नोएडा एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल के नजदीक प्रस्तावित सेक्टरों में इसे विकसित किया जाएगा। अलीगढ़ जिले के टप्पल में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क के लिए जमीन अधिग्रहण में हो रही देरी को देखते हुए प्राधिकरण ने पहले चरण में एयरपोर्ट के नजदीक इसे विकसित करने का फैसला किया है।

नागपुर जाएगी अधिकारियों की टीम
नागपुर के निकट मिहान में विकसित किए मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का निरीक्षण करने यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों की टीम जल्द जाएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यात्री सेवाओं के साथ दुनियाभर के देशों में कार्गो भी जाएगा। एयरपोर्ट को कार्गो का बड़ा केंद्र बनाने की योजना है। इसकी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए प्राधिकरण ने लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग के लिए नए सेक्टरों को नियोजित किया है।

इन सेक्टरों को एयरपोर्ट के नजदीक प्रस्तावित किया गया है। लॉजिस्टिक पार्क से कार्गो टर्मिनल तक सामान की आवाजाही सुगम होगी। प्राधिकरण ने सेक्टर की जमीन अधिग्रहण से पहले सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह सर्वे इस माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। इस सर्वे में यह जानकारी एकत्र की जाएगी कि अधिगृहीत होने



वाली जमीन की भौतिक स्थिति क्या है, उस जमीन पर किस तरह का निर्माण आदि है।

सर्वे के बाद जमीन अधिग्रहण का भेजा जाएगा प्रस्ताव

जमीन अधिग्रहण करने में किसी तरह की अड़चन होगी या नहीं। सर्वे के बाद जमीन अधिग्रहण के लिए प्रस्ताव बनाकर जिला प्रशासन को भेजा जाएगा। प्राधिकरण ने पेज दो मास्टर प्लान में शामिल अलीगढ़ जिले के टप्पल में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क के लिए विस्तृत



परियोजना रिपोर्ट तैयार कराई थी। पार्क विकसित करने लिए 205 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण का प्रस्ताव अलीगढ़ जिला प्रशासन को भेजा गया, लेकिन जिला प्रशासन ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले पूर्व लंबित 110 करोड़ रुपये राशि की मांग की। यह राशि यमुना एक्सप्रेस वे के साथ जेपी इंफ्राटेक को दिए गए लैंड फार् डेवलपमेंट के प्रभावित किसानों को मुआवजे के रूप में वितरित होनी है। टप्पल में जमीन अधिग्रहण में विलंब को देखते हुए प्राधिकरण ने

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक लॉजिस्टिक पार्क विकसित होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यात्री सेवाओं के साथ दुनियाभर के देशों में कार्गो भी जाएगा। एयरपोर्ट को कार्गो का बड़ा केंद्र बनाने की योजना है। इसकी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए प्राधिकरण ने लॉजिस्टिक एवं वेयरहाउसिंग के लिए नए सेक्टरों को नियोजित किया है। प्राधिकरण ने सेक्टर की जमीन अधिग्रहण से पहले सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी है।



मास्टर प्लान 2041 में शामिल सेक्टर में पहले चरण में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने की योजना तैयार की है। प्राधिकरण एसईओ विपिन जैन ने बताया कि एयरपोर्ट के नजदीक लॉजिस्टिक पार्क पहले चरण में विकसित किया जाएगा। एयरपोर्ट के निकट होने के कारण मल्टी परपज एवं औद्योगिक सेक्टर में लॉजिस्टिक पार्क के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। पार्क में सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए अधिकारी जल्द नागपुर के निकट मिहान जाएंगे।

मालदीव प्रकरण से सबक ले दुनिया, पड़ोस प्रथम की नीति पर चलने वाले भारत को छेड़ा तो खैर नहीं

नीरज कुमार दुबे
जहां तक मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों पर भारत के आधिकारिक रुख की बात है तो भारतीय उच्चायोग के स्तर पर तत्काल ही आपत्ति जता दी गयी थी लेकिन अब भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भी अच्छी तरह से सुना दिया गया है।

भारत हमेशा 'पड़ोस प्रथम नीति' को आगे रखकर चलता है लेकिन यदि पड़ोसी ही आंख दिखाते लगे तो उसे लगे हाथ तगड़ा जवाब भी दे दिया जाता है। कर्ज में डूब चुके मालदीव को भारत ने लगातार आर्थिक मदद देकर उबारा, वहां बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपना पैसा लगाया, भुखमरी और महामारी के समय वहां भोजन और वैक्सीन पहुँचाई। वहां के पर्यटन क्षेत्र को खड़ा करने के लिए भारतीयों ने ऐसा योगदान दिया कि माले के सरकारी खजाने में डॉलरों का ढेर लग गया। लेकिन अब वहां जो चीन समर्थक नई सरकार आई है वह लगातार भारत को अपमानित करने का काम कर रही है। भारत ने पहले तो बेहद संयमित रुख अपनाया लेकिन जब मालदीव के तीन मंत्रियों ने भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियां कर दीं और भारतीय पर्यटन क्षेत्र का मजका उड़ाया तो पूरे देश ने एक साथ खड़े होकर मालदीव को ऐसा सबक सिखाया कि वह नजीर बन गया।

प्रधानमंत्री के खिलाफ मालदीव के तीन मंत्रियों की टिप्पणियों से गुस्साये भारतीयों ने मालदीव की यात्रा रद्द करनी शुरू कर दी। होटलों और हवाई टिकटों की बुकिंग रद्द होने लगी और सोशल मीडिया पर 'बॉयकॉट मालीदव ट्रेंड' होने लगा तो माले सरकार घबरा गयी और आनन-फानन में उन तीनों मंत्रियों को निर्लंबित कर दिया

जिन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री पर निशाना साधा था। साथ ही मालदीव सरकार ने एक बयान जारी कर यह भी कहा कि मंत्रियों के बयान मालदीव की नीति के अनुरूप नहीं हैं। यही नहीं, मालदीव की पूर्व सरकार के मंत्रियों और पूर्व राष्ट्रपतियों ने भी अपने ही देश की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और भरोसेमंद पड़ोसी भारत के खिलाफ की गयी टिप्पणियों का 'अपने पैरो पर कुल्हाड़ी मारने' के समान बताया।

जो लोग 'नया भारत' क्या है, यह बात आज तक नहीं समझे हैं उन्हें जरा उन टिप्पणियों पर गौर फरमा लेना चाहिए जो 'बॉयकॉट मालीदव' या 'पहले भारत के द्वीपों की सैर करो' जैसे हैशटैग के साथ लिखी गयी हैं। जिस तरह फिल्म उद्योग, खेल जगत और अन्य क्षेत्रों की हस्तियों ने प्रधानमंत्री के समर्थन में टिप्पणियां करते हुए मालदीव को खरी खरी सुनाई है उससे माले के पूरे पर्यटन उद्योग को दिन में तारे दिख गये हैं। भारतीयों के रुख को देखते हुए अन्य देशों ने भी बड़ी प्रेरणा ली होगी क्योंकि आज के समय में भारतीय नागरिक ही कई देशों की पर्यटन अर्थव्यवस्था में जान फूंक रहे हैं। इसके अलावा इस पूरे प्रकरण से लक्षद्वीप के पर्यटन को भी नये पंख लगना तय हो गया है क्योंकि अधिकतर लोगों ने वहां की यात्रा की इच्छा जताई है। आने वाले दिनों में संभव है कि वहां के लिए अधिक से अधिक फ्लाइटें शुरू हो जाएं ताकि लोग आसानी से वहां पहुँच सकें।

जहां तक मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों पर भारत के आधिकारिक रुख की बात है तो भारतीय उच्चायोग के स्तर पर तत्काल ही आपत्ति जता दी गयी थी लेकिन अब भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भी अच्छी तरह से सुना दिया गया है और मालदीव के कई मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई टिप्पणियों पर कड़ी चिंता व्यक्त की गई। हालांकि मालदीव सरकार अपने बचाव में तर्क दे रही है कि मोदी के खिलाफ अघोषित जनक सोशल मीडिया पर पोस्ट को



जो लोग 'नया भारत' क्या है, यह बात आज तक नहीं समझे हैं उन्हें जरा उन टिप्पणियों पर गौर फरमा लेना चाहिए जो 'बॉयकॉट मालीदव' या 'पहले भारत के द्वीपों की सैर करो' जैसे हैशटैग के साथ लिखी गयी हैं। जिस तरह फिल्म उद्योग, खेल जगत और अन्य क्षेत्रों की हस्तियों ने प्रधानमंत्री के समर्थन में टिप्पणियां करते हुए मालदीव को खरी खरी सुनाई है उससे माले के पूरे पर्यटन उद्योग को दिन में तारे दिख गये हैं। भारतीयों के रुख को देखते हुए अन्य देशों ने भी बड़ी प्रेरणा ली होगी क्योंकि आज के समय में भारतीय नागरिक ही कई देशों की पर्यटन अर्थव्यवस्था में जान फूंक रहे हैं। इसके अलावा इस पूरे प्रकरण से लक्षद्वीप के पर्यटन को भी नये पंख लगना तय हो गया है क्योंकि अधिकतर लोगों ने वहां की यात्रा की इच्छा जताई है। आने वाले दिनों में संभव है कि वहां के लिए अधिक से अधिक फ्लाइटें शुरू हो जाएं ताकि लोग आसानी से वहां पहुँच सकें।

लेकर रविवार को ही तीन उप मंत्रियों को निर्लंबित कर दिया गया है। हम आपको बता दें कि तीनों उप

मंत्रियों ने लक्षद्वीप की यात्रा के बाद 'एक्स' पर प्रधानमंत्री की ओर से की गयी पोस्ट के लिए

उनकी आलोचना की थी और कहा था कि यह केंद्र शासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन



सोहना नगर परिषद की करोड़ों रुपये की कीमती जमीन पर अवैध कब्जे हैं। सोहना से सटी अरावली पहाड़ी क्षेत्र में अवैध फार्म हाउस बने हुए हैं। इनमें अधिकतर देश की नामचीन हस्तियों के हैं जिनमें राजनीतिक प्रशासनिक अधिकारीगण उद्योगपति और शामिल हैं। अब नगर परिषद की तरफ से 17 फार्म हाउस मालिकों को नोटिस दिया गया है। इसके बाद विभाग की तरफ से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोहना। नगर परिषद ने अरावली पहाड़ी की तलहटी में बने अवैध फार्म हाउस मालिकों को नोटिस जारी कर दिया है। नगर परिषद की तरफ से 17 फार्म हाउस मालिकों को नोटिस दिया गया है। इसके बाद विभाग की तरफ से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

करोड़ों की जमीन पर है अवैध कब्जा
विभाग की तरफ से उन जगहों को भी चिह्नित किया जा रहा है, जहां पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। सोहना एसडीएम प्रदीप सिंह की तरफ से अवैध निर्माण करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए पहले भी निर्देश दिया गया था, लेकिन विभाग की तरफ से अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं की गई थी। विभाग की तरफ से और भी फार्म हाउस और निर्माणाधीन बिल्डिंग को चिह्नित किया जा रहा है, जहां पर अवैध निर्माण जारी है। विभाग की तरफ से अन्य लोगों को नोटिस जारी

किए जाएंगे। परिषद अरावली पहाड़ी की तलहटी में रायसीना में बनी अरावली हिल्स फार्म हाउस मालिकों पर सख्ती बरतेगी। सोहना नगर परिषद की करोड़ों रुपये की कीमती जमीन पर अवैध कब्जे हैं।

बता दें कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक ने उच्च न्यायालय में दिए हलफनामे में बताया था कि प्रदेश में निकाय क्षेत्र में 4360 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा है, जिसमें सबसे ज्यादा सोहना नगरपरिषद की 1896.55 एकड़ भूमि पर कब्जा है।

नामचीन हस्तियों के हैं फार्म हाउस
सोहना से सटी अरावली पहाड़ी क्षेत्र में अवैध फार्म हाउस बने हुए हैं। इनमें अधिकतर देश की नामचीन हस्तियों के हैं, जिनमें राजनीतिक, प्रशासनिक अधिकारीगण, उद्योगपति और शामिल हैं। नगरपरिषद की तरफ से पहले भी कार्रवाई की गई है। एक सप्ताह के भीतर अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई पर शुरू की जाएगी।
17 अवैध फार्म हाउस मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा अन्य लोगों को भी शामिल किया जाएगा। अन्य कई दर्जन फार्म हाउस को चिह्नित किया गया, जिनको नोटिस जारी किए जायेंगे। विभाग की कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी। - संदीप मलिक, कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद सोहना

स्थल के रूप में पेश करने का एक प्रयास है। मालदीव की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, युवा मंत्रालय में उप मंत्रियों- मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम माजिद को उनके पदों से निर्लंबित कर दिया गया है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि यह विवाद ऐसे दिन शुरू हुआ, जब मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू एक सप्ताह की चीन यात्रा पर रवाना हुए। देखा जाये तो मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसियों में से एक है और माले की पिछली सरकार में दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति देखी गई थी। नये राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को चीन का करीबी माना जाता है। पदभार संभालने के तुरंत बाद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापसी का आह्वान किया था। माना जा रहा है कि चीन समर्थक और मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के करीबी सहयोगी माने जाने वाले मुइज्जू ने चीन की उम्मीदें बढ़ा दी हैं कि भारत के दक्षिणी तट के करीब हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित द्वीपीय देश उसके समर्थन में अब नीतियों को आगे बढ़ाएगा।

बहरहाल, जहां तक मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की चीन यात्रा की बात है तो उसके बारे में बताया जा रहा है कि इस दौरान शी जिनपिंग तथा मुइज्जू दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। दोनों नेता कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने पिछले सप्ताह कहा था कि राष्ट्रपति शी आठ से बारह जनवरी तक राजकीय यात्रा पर आ रहे मुइज्जू के स्वागत में भोज देंगे। दोनों राष्ट्राध्यक्ष बातचीत करेंगे और 'सहयोग दस्तावेजों के हस्ताक्षर समारोह' में भाग लेंगे। यहाँ यह भी ध्यान रखे जाने की जरूरत है कि मालदीव के राष्ट्रपति पद पर रहने के दौरान इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने 'पहले भारत' की नीति का पालन किया था और भारत के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किए थे।

रॉयल एनफील्ड का तगड़ा फ्यूचर प्लान! अगले 8 सालों में करेगी 3 हजार करोड़ का निवेश



Royal Enfield ने घोषणा की है कि वे तमिलनाडु में 8 वर्षों की अवधि में लगभग 3 हजार करोड़ का निवेश करेंगे। इस इन्वेस्टमेंट से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2000 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। रॉयल एनफील्ड ने 8 जनवरी 2024 को चेन्नई में तमिलनाडु सरकार के साथ एक MOU साइन किया है।

नई दिल्ली। Royal Enfield ने घोषणा की है कि वे तमिलनाडु में 8 वर्षों की अवधि में लगभग 3 हजार करोड़ का निवेश करेंगे। निवेश का उपयोग मुख्य रूप से नए प्रोडक्ट्स, ईवी के डेवलपमेंट और इसके अलावा आईसीई-मॉडल के लिए किया जाएगा। आइए, कंपनी के फ्यूचर प्लान के बारे में जान लेते हैं।

Royal Enfield का फ्यूचर प्लान कंपनी की ओर से 3 हजार करोड़ का निवेश किया जाएगा। इस इन्वेस्टमेंट से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2,000 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। रॉयल एनफील्ड ने 8 जनवरी 2024 को चेन्नई में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट 2024 में

तमिलनाडु सरकार के साथ एक MOU साइन किया है।

तीसरी मैनुफैक्चरिंग फैसिलिटी होगी तैयार

रॉयल एनफील्ड के पास पहले से ही ओरांगडम और वल्लम वडागल में मैनुफैक्चरिंग फैसिलिटी है, जहां उनकी मोटरसाइकिलों का उत्पादन किया जा रहा है। इस हिसाब से भारत में कंपनी की ये तीसरी उत्पादन सुविधा होगी। 2023 निम्नांकित के लिए काफी अच्छा था, क्योंकि कंपनी की ओर से Super Meteor 650 और Himalayan 450 को बाजार में लॉन्च किया गया है। इसके अलावा कंपनी की ओर से कई नई बाइक्स के डेवलपमेंट पर भी काम चल रहा है। इसमें शॉटगन 650 जैसे मॉडल शामिल हैं।

इसको लेकर कंपनी के सीईओ बी गोविंदराजन ने कहा-

तमिलनाडु हमारा घर रहा है; कई दशकों से हमारी ईजीनियरिंग, तकनीकी और विनिर्माण नींव का आधार रहा है। तमिलनाडु में यह रणनीतिक निवेश रॉयल एनफील्ड में हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम तमिलनाडु सरकार को उनके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

सुजुकी और स्काईड्राइव की फ्लाईंग कार पहुंची भारत, 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड और 3 सवारियों के साथ भरती है फर्राटा

भारत आई फ्लाईंग कार



SkyDrive की फ्लाईंग कार में 3 (1 पायलट और 2 यात्री) बैठने की क्षमता है। बैटरी इलेक्ट्रिक द्वारा संचालित स्काई कार को एल्यूमीनियम अलॉय मिश्र धातु आदि से बनाया गया है जिसका वजन लगभग 1400 किलोग्राम (3100 पाउंड) है। 100 किमी प्रति घंटे की अधिकतम वायु गति के साथ यह लगभग 15 किमी तक उड़ सकता है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। जापान स्थित फ्लाईंग कार निर्माता SkyDrive ने अपने भविष्य के परिवहन समाधानों का प्रदर्शन करते हुए अहमदाबाद में चल रहे Vibrant Gujarat कार्यक्रम में भाग लिया है। स्काईड्राइव फ्लाईंग कार रोडर्स सहित लगभग 11.5 mx 11.3 mx 3 m (37.7 ft x

37 ft x 10 ft) है।

SkyDrive की फ्लाईंग कार

इसमें 3 (1 पायलट और 2 यात्री) बैठने की क्षमता है। बैटरी इलेक्ट्रिक द्वारा संचालित स्काई कार को एल्यूमीनियम अलॉय मिश्र धातु आदि से बनाया गया है, जिसका वजन लगभग 1400 किलोग्राम (3,100 पाउंड) है। 100 किमी प्रति घंटे की अधिकतम वायु गति के साथ यह लगभग 15 किमी तक उड़ सकता है।

इसको लेकर स्काईड्राइव के सीईओ तोमोहिरो फुकुजावा ने एएनआई को बताया-

अब हम भारत में उड़ने वाली कारों - ईवीटीओएल सेवा की शुरुआत करने की कोशिश कर रहे हैं... यह पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित है... शहरी क्षेत्रों में हवाई अड्डा बनाना मुश्किल है लेकिन यह शीर्ष पर उड़ान भर सकता है और उतर सकता है इमारतों की संख्या, इसलिए हम अपने दैनिक जीवन में हवाई टैक्सियों का उपयोग कर सकते हैं...

उन्होंने आगे कहा कि जापान में सुजुकी के साथ हमारा एक प्लॉट है और बाजार के अधिक से अधिक खुले होने के बाद हम अन्य प्लॉट भी लगाना चाहते हैं।

भारत में होगी लॉन्च?

यह पूछे जाने पर कि क्या कोई भारत में ऐसी स्काई कारों के उत्पादन की उम्मीद कर सकता है, उन्होंने कहा कि बेशक, हम उत्पाद को उचित बनाना चाहते हैं और इसे बाजार के करीब लाना चाहते हैं। हम यहाँ एक संयंत्र लगाना चाहते हैं।

कंपनी के बारे में

2014 से फ्लाईंग कार कॉन्सेप्ट और प्रोटोटाइप का परीक्षण करने के बाद स्काईड्राइव को औपचारिक रूप से जुलाई 2018 में स्थापित किया गया था। स्काईड्राइव की जापानी वाहन निर्माता सुजुकी के साथ साझेदारी है। इसका लक्ष्य एक ऐसा भविष्य बनाना है जहां जापान और दुनिया भर में हर किसी को अपने दैनिक परिवहन के रूप में ईवीटीओएल तक पहुंच प्राप्त हो। कंपनी 2019 में जापान में पहले चालक दल उड़ान परीक्षण में सफल रही।

McLaren 750S इन बदलावों के साथ भारत में जल्द होगी लॉन्च, जबरदस्त इंजन के साथ मिलेगी कूप और कन्वर्टिबल डिजाइन



ब्रिटिश सुपरकार निर्माता McLaren की ओर से भारतीय बाजार में McLaren 750S सुपरकार लॉन्च की जाएगी। सुपरकार में डीआरएल के साथ स्लीक एलईडी हेडलैंप के साथ दोबारा डिजाइन किया गया फ्रंट बम्पर मिला है। McLaren 750S का इंटीरियर भी ड्राइवर-सेंट्रिक होगा। McLaren 750S में 4.0-लीटर ट्विन टर्बो V8 इंजन दिया गया है जो 740bhp और 800Nm का टॉर्क उत्पन्न करता है।

नई दिल्ली। ब्रिटिश सुपरकार निर्माता McLaren की ओर से भारतीय बाजार में McLaren 750S सुपरकार लॉन्च की जाएगी। 750S को अप्रैल 2023 में वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित किया गया था और ये 720S की सक्सेसर होने वाली है। ये अब तक का सबसे हल्का और सबसे

शक्तिशाली सीरीज-प्रोडक्ट मैकलेरन है। 750S Coupe और हार्डटॉप कन्वर्टिबल बॉडी स्टाइल दोनों में उपलब्ध है। उम्मीद है कि मैकलेरन पहले कूप लाएगा और बाद में कन्वर्टिबल पेश की जाएगी।

डिजाइन

सुपरकार में डीआरएल के साथ स्लीक एलईडी हेडलैंप के साथ दोबारा डिजाइन किया गया फ्रंट बम्पर मिला है। सुपरकार में एक बड़ा स्पिलर भी है, जिसके बगल में बड़े एयर डैम हैं। इसमें एक लिफ्ट सिस्टम भी है, जिसे सिर्फ चार सेकंड में उठाया जा सकता है। इसकी तुलना में, 720S को 10 सेकंड लगते थे। इस सुपरकार में P1 से इस्पायर्ड एरजॉस्ट लोग दिए गए हैं। एरजॉस्ट पाइप को बीच में पोजिशन किया गया है और कार में एक्टिव रियर विंग को भी रिपोजिशन किया गया है।

इंटीरियर

McLaren 750S का इंटीरियर ड्राइवर-सेंट्रिक

है। इस सुपरकार में अलकेन्टारा स्टैडर्ड रूप में मिला है, लेकिन ग्राहक नापा लेदर या टेकलक्स पैकेज चुन सकते हैं। इसके अलावा, अतिरिक्त कीमत पर इसके स्टिचिंग कलर को भी चुन सकते हैं। 750S में वर्टिकल स्टेडर्ड 8.0-इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन के साथ पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिला है। कार में 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस ऐप्पल कारप्ले/एंड्रॉइड ऑटो और वायरलेस चार्जिंग स्टैडर्ड रूप से दिया जाएगा।

इंजन

McLaren 750S में 4.0-लीटर ट्विन टर्बो V8 इंजन दिया गया है, जो 740bhp और 800Nm का टॉर्क उत्पन्न करता है। पावर को 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स के जरिए पिछले पहियों पर भेजा जाएगा। मैकलेरन का दावा है कि 750S महज 2.8 सेकंड में 0-100 की रफ्तार पकड़ सकती है और 7.2 सेकंड में 100-200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है।

बाइक दे रही है ये 5 संकेत तो तुरंत बदल दीजिए इंजन ऑइल, टल जाएगी बड़ी दिक्कत



यदि इंजन सामान्य से अधिक तेज आवाज कर रहा है तो यह एक संकेत हो सकता है कि आपको इंजन ऑयल बदलने की आवश्यकता है। कुछ मोटरसाइकिलें कारों की तरह डिपस्टिक के साथ आती हैं जबकि कुछ में ऑयल लेवल की जांच करने के लिए विंडो होती है। आइए जान लेते हैं कि आपको बाइक का इंजन ऑयल कब बदलना चाहिए।

नई दिल्ली। किसी भी वाहन का इंजन उसके लिए दिल का काम करता है। जैसे शरीर में दिल के लिए साफ खून की आवश्यकता होती है, ठीक उसी तरह इंजन को बेहतर रखने के लिए इंजन ऑयल का ठीक होना काफी जरूरी है। इसलिए, नियमित रूप से इंजन ऑयल के लेवल और क्वालिटी की जांच करते रहना बहुत आवश्यक है। आइए, जान लेते हैं कि आपको इंजन ऑयल कब बदलना चाहिए।

इंजन का ज्यादा आवाज करना यदि इंजन सामान्य से अधिक तेज आवाज कर रहा है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि आपको इंजन ऑयल बदलने की आवश्यकता है। फ्रेश ऑयल की मदद से इंजन ब्लॉक के अंदर धातु घटकों के

बीच एक सुरक्षात्मक परत बनती है। हालांकि, समय के साथ ये तेल अपनी क्षमता खो देता है और इसके तुरंत बाद आपको गड़गड़ की आवाज सुनाई देने लगती है, जो सामान्य से अधिक तेज आवाज करती है।

इंजन ऑयल घट जाना

इंजन ऑयल के स्तर की जांच करने के लिए एक छोटी सी विंडो होती है, जिसे इंजन ब्लॉक के किनारे प्लेस किया जाता है। अगर आप देखते हैं कि इंजन ऑयल का लेवल विंडो में न्यूनतम निशान से नीचे है, तो इंजन ऑयल को ऊपर से बदलने का समय आ गया है।

वार्निंग लाइट जलना

आधुनिक मोटरसाइकिल इंजन में सेंसर लग होते हैं, जो आपकी मोटरसाइकिल के इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर पर दिखाई देने वाली लाइट के माध्यम से आपको बता सकते हैं कि आपके इंजन में पर्याप्त तेल नहीं है। ऐसे में इंजन ऑयल बदलने का समय आ गया होता है।

तेल की जांच करें

कुछ मोटरसाइकिलें कारों की तरह डिपस्टिक के साथ आती हैं, जबकि कुछ में ऑयल लेवल की जांच करने के लिए विंडो होती है। किसी भी तरह से इंजन ऑयल के रंग की जांच की जा सकती है। फ्रेश ऑयल हल्के भूरे रंग के साथ पारदर्शी होता है, लेकिन समय के साथ यह काला और गाढ़ा हो जाता है। ऐसा होने पर इंजन ऑयल चेंज कर दें।

ऑनलाइन खरीददारी का दौर



है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन से निर्मित हुई ऑनलाइन खरीददारी देश के कोने-कोने में करोड़ों उपभोक्ताओं की आदत और व्यवहार का अभिन्न अंग बन गई है। देश में डिजिटलीकरण, स्मार्ट फोन की बढ़ती पहुंच, कम डेटा कीमतें, ऑनलाइन बुनियादी ढांचे की तेज वृद्धि, लोगों की बढ़ती क्रय शक्ति, डिजिटल भुगतान, हाइपर-लोकल लॉजिस्टिक्स, प्रौद्योगिकी-सक्षम नवाचार से संबंधित ग्राहक जुड़ाव, सौंदर्य प्रसाधन, सरकार के द्वारा संबंधी लाइसेंस प्रक्रिया का युक्तिकरण, डिजिटल कॉमर्स के लिए एक खुले नेटवर्क की स्थापना, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और इनोवेशन फंड जैसे कार्यक्रमों से भी ई-कॉमर्स तेजी से विस्तारित हुआ है। उल्लेखनीय है कि इंटरनेट एंड मोबाइल एप्लोसिएशन ऑफ इंडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एक्टिव इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 2022 में करीब 75.9 करोड़ थी। यह संख्या 2025 तक करीब 90 करोड़ होने का अनुमान है।

इंटरनेट का उपयोग शहरों में ज्यादा गांवों में होने लगा है। वर्ष 2022 में भारत में 20 करोड़ से अधिक लोगों ने ऑनलाइन कुछ न कुछ खरीदा है। वस्तुतः ई-कॉमर्स ने भारत में व्यापार और उपभोग का मिजाज बदला दिया है। छोटे शहरों के उपभोक्ताओं में भी गुणवत्तापूर्ण जिंदगी जीने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए ई-शॉपिंग के विभिन्न विकल्पों वाले प्लेटफॉर्मों के उपलब्ध होने के कारण बड़े शहरों की तुलना में टिश्यर-2 व टिश्यर-3 मझौले व छोटे शहरों में ई-कॉमर्स अधिक बढ़ा है। ई-कॉमर्स से होने वाले कुल कारोबार में टिश्यर-1 (बड़े शहर) की

हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022-23 में 44.3 प्रतिशत रही। टिश्यर-2 शहरों में यह हिस्सेदारी 37.1 प्रतिशत तो टिश्यर-3 में 18.6 प्रतिशत की रही। किराना बाजार को छोड़ दिया जाए तो अन्य प्रकार की वस्तुओं की करीब 25 प्रतिशत बिक्री अब ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से होने लगी है। इलेक्ट्रॉनिक्स के अलावा घरों की सजावट, हेल्थ व फार्मा जैसे सेक्टर में ई-कॉमर्स प्लेटफार्म से अधिक खरीददारी हो रही है। ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर एफएमसीजी, कृषि, फैशन व गारमेंट्स, सौंदर्य प्रसाधन से जुड़े उत्पादों आदि सभी तरह की वस्तुओं की बिक्री में तेजी आई है। जिस तरह देश में घरेलू स्तर पर ई-कॉमर्स तेजी से बढ़ रहा है, उसी तरह भारत का ई-कॉमर्स निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक अगले 6 से 7 साल में भारत का ई-कॉमर्स निर्यात बढ़कर 200 अरब डॉलर तक पहुंच उपायोगकर्ताओं की संख्या 1.2 अरब डॉलर है। डीजीएफटी ने छोटे उद्यमियों और स्वरोजगार करने वाले युवाओं को ई-कॉमर्स निर्यात में मदद का विशेष तरीका अपनाया है, उससे ई-कॉमर्स निर्यात बढ़ रहे हैं। डाकघरों में ही ई-कॉमर्स निर्यात के लिए पार्सल खिड़कियां अलग से बनाई गई हैं और डाकघर में ही उन्हें कस्टम क्लोयरेस मिल जाता है। इसी तरह डीजीएफटी अन्य नियामक एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है और उसने ई-कॉमर्स निर्यात आसान बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स सेवा प्लेटफॉर्म प्रदाता, अंतरराष्ट्रीय भुगतान व्यवस्था नियामक एजेंसियां जैसे भारतीय रिजर्व बैंकर, राजस्व विभाग के बीच अच्छे समन्वय और तालमेल का काम किया

है, उससे ई-कॉमर्स निर्यात तेजी से बढ़ रहे हैं। डीजीएफटी ने ई-कॉमर्स को लेकर निर्यातकों में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें शिक्षित करने का कार्य भी आगे बढ़ाया है।

इसके साथ-साथ भारत में ई-कॉमर्स सेक्टर में विदेशी निवेश भी तेजी से बढ़े हैं। पिछले पांच साल में ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र में ई-कॉमर्स में करीब 23 अरब डॉलर का निवेश हुआ है। ई-कॉमर्स में विदेशी निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस मॉडल में स्वचालित मार्ग के तहत एफडीआई की सीमा को 100 फीसदी की अनुमति है। बिजनेसटू बिजनेस (बी-2 बी) ई-कॉमर्स तथा खाद्य खुदरा कंपनियों के द्वारा सरकारी अनुमित मार्ग के तहत भी 100 फीसदी विदेशी निवेश की अनुमति है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ई-कॉमर्स वित्तपोषण, प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण के साधन प्रदान करके भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सीधे लाभान्वित कर रहा है और अन्य उद्योगों पर भी इसका अनुकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में भारतीय ई-कॉमर्स सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है। इससे रोजगार को तेजी से बढ़ावा मिलने के साथ, निर्यात से राजस्व भी बढ़ रहा है। निःसंदेह सराहनीय है कि सरकार भारत में अर्थव्यवस्था को तेजी से गतिशील कर रहे ई-कॉमर्स के तहत सरकार करोड़ों ई-कॉमर्स उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स कंपनियों और देश के उद्योग-कारोबार की नयी समन्वय स्थापित करने के मद्देनजर नई ई-कॉमर्स नीति को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देगी। नई ई-कॉमर्स नीति के तहत सरकार का दायित्व है कि ई-कॉमर्स से देश की विकास आकांक्षा पूरी हो तथा बाजार भी विफलता और विसंगति से बचा रहे।

विपक्ष अक्सर तानाशाही शासन की बात करता रहता है। उसे लोकतंत्र और संविधान बचाने की घोर चिंता है, जबकि दोनों ही बेहद सुरक्षित हैं। विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड को ‘अधोषित आपातकाल’ करार देता रहा है। विपक्षी नेता और मुख्यमंत्री प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन नोटिसों को खारिज कर रहे हैं। विपक्ष की शिकायत है कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों को, विपक्षी नेताओं के खिलाफ, एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है, जबकि सरकार के कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों पर घोटालों के गंभीर आरोप हैं। ई.डी. सीबीआई, आयकर विभाग उन पर छापे के लिए एजेंसियों के छापाे की सरकार विपक्षी नेताओं को जेल में डाल कर उन्हें चुनाव प्रचार से वंचित रखना चाहती है, ताकि भाजपा-एनडीए एक और बार जीत कर केंद्र में सरकार बना सके। बेशक इन आरोपों की अपनी ताकिकता है, लेकिन मॉडल में स्वचालित ने विपक्ष की सामूहिक दलीलों को खारिज कर दिया था कि जांच एजेंसियां विपक्ष को प्रायोजित मामलों में फंसा रही हैं। दरअसल यह आम चुनाव, 2024 का दौर है। चुनाव बेहद करीब हैं, लिहाजा विपक्षी गठबंधन भी र्वंधन और विमर्श कर रहा होगा कि राजनीति, नीति-निर्माण और शासन का कौनसा मॉडल मतदाताओं के सामने प्रस्तुत किया जाए। यह सवाल भी उसके विचारार्थ होगा कि कानून का राज उचित है अथवा भीड़ को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाए? हिंसक भीड़ को संरक्षण देना और उस कानून के राज से बचना क्या संवैधानिक है? पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना क्षेत्र में तुणमूल कांग्रेस पार्टी के जिस नेता के भड़काने और उकसाने पर भारी भीड़ ने ईडी के अफसरों पर जानलेवा हमला

किया, क्या ‘भीड़ के शासन’ वाले मॉडल की यही व्यवस्था देश में होनी चाहिए? वह गुंडागर्दी बचाने वाला नेता आज कहां है? राज्य की पुलिस ने क्या कार्रवाई की है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खामोश और निरुत्तर क्यों हैं? ममता ने खुद हिंसक राजनीति के दंश झेले हैं, जानलेवा हमलों का मुकाबला किया है, नतीजतन बंगाल ने उन्हें सत्ता का लगातार जनादेन दिया है। सवाल है कि उनके शासन में भी वही रक्तपात क्यों किया जा रहा है, जिसे झेलकर वह मुख्यमंत्री के पद तक पहुंची हैं? बंगाल में हिंसक टकराव और हमले बार-बार देखे जाते रहे हैं। चाहे पंचायत के चुनाव हो या घोटालों की जांच के लिए एजेंसियों के छापाे की कार्रवाई हो, स्थानीय समर्थकों की भीड़ खून का नंगा नाच करती है। क्या ममता ऐसी कानून-व्यवस्था की पक्षधर हैं? वह अक्सर लोकतंत्र, संविधान, संघीय ढांचे का चीत्कार करती हैं। कितना खोखला विरोभास है? बीते शुक्रवार को ईडी की टीम ने तुणमूल नेता शहजहां शेख के घर पर छापा मारना था। शेख पर करोड़ों रुपए के राशन घोटाले का आरोप है। उसने गरीबों का अन्न छीना है। उनके शासन समर्थकों ने टीम का रास्ता रोका, वाहनों पर हमला किया, डंडों और लौह की रॉड से तीन अफसरों को घायल कर दिया। प्रस्तावित में उपचाराधीन हैं। उन घायल अफसरों ने यह भी बताया है कि स्थानीय पुलिस को फोन कॉलस की गई, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। पुलिस की प्रतिक्रिया बिल्कुल ठंडी रही। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, यह सत्तारूढ़ पार्टी और राज्य सरकार की प्रतिक्रिया थी। दरअसल केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ तुणमूल सरकार और बंगाल में उनके समर्थकों की बुरा रवैया नया नहीं है। इसे रोकना होगा।



डा. जयंतीलाल भंडारी

निःसंदेह सराहनीय है कि सरकार भारत में अर्थव्यवस्था को तेजी से गतिशील कर रहे ई-कॉमर्स के तहत करोड़ों ई-कॉमर्स उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स कंपनियों और देश के उद्योग-कारोबार के बीच समन्वय स्थापित करने के मद्देनजर नई ई-कॉमर्स नीति को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देगी। ई-कॉमर्स से देश की विकास आकांक्षाएं पूरी होनी चाहिए‘

राय

किस्सेबाज़ राजा और भेड़ें

बात सन्2084की है। आर्यावर्तनामक एक लोकांतकिकदेश में एक राजा राज करता था। उसे किस्से-कहानियाँ सुनाने का बड़ा शौक था। देश में जब भी कोई समस्या सामने आती, तो वह बतौर समाधान लोगों को एक नई कहानी सुना देता। लोग उस कहानी को सुनने के बाद अपनी मूल समस्या भूल जाते और राजा के सुझाए समाधान के अनुसार उधार लेकर कभी धो के दीपक जलाते या ताली बजाते-बजाते अपने हाथ लाल कर लेते। राजा के कहने पर लोग घर की थालियाँ को बजाते-बजाते तोड़ भी डालते थे। चूँकि देश की साठ फीसदी प्रजा राजा के लिए पाँचविकीराराशन पर जिंदा रहती थी, उसे अपनी टूटी रीढ़ की तरह टूटी थालियों में आधा पेट भोजन गटकने में कोई दिक्कत नहीं होती थी। शेष उन्चालीस प्रतिशत लोग भरे पेट होने के बावजूद अपनी मतलबपरस्ती में लौटते हुए पीठ के सफल ऑपरेशन से रीढ़ की हड्डी निकलवा कर, आराम की जिंदगी गुज़र-बसर कर रहे थे। बमुश्किल एक प्रतिशत लोग अपने सीधे सिर और रीढ़ के साथ जीने का मादा रखते थे। राजा भीतर से था तो डरपोक। लेकिन अपने आपकी निडर और साहसी साबित करने के लिए अकेला ही रेडियो पर मन की बात करता और लोगों को बताता कि किस तरह राजा बनने से पूर्व उसने जीवन में संघर्ष किया है। देश में लोकतंत्र था और हर पाँच साल बाद राजा चुनने के लिए एन चुनाव होते थे। लेकिन राजा के अपने थोके चक्रवर्ती सम्राट घोषित करना चाहता था। इसलिए वह विश्व के दूसरे देशों में अपने आदमी भेजकर अपने नाम का डंका बजवाता था। लेकिन जब सड़ डंके की खाल छली पडने लगी तो उसने देश में तीन नए कानून बना कर ऐसी व्यवस्था कर दी थीकि अनेक उछालने के बाद प्रजा को अपना कर दे तो उसे देशद्रोह के आरोपों में तीन महीनों तक बिना कोई केस दर्ज किए जेल में डाला जा सके। नए कानूनों में राजद्रोह को देशद्रोह के पायज़ामे में डाल दिया गया था।

लेकिन इसके बावजूद कोई नही कह सकता था कि राजा झूठ बोलता है, अपने बाथरूम में रैनकोट पहन कर नहाता है या राजा की इज्जत डालने के मुकाबले रुपये के अन्तरराष्ट्रीय अवमूल्यन को तरहदिन परदिन नोचिगरती जा रही है। राजा ने अपने पूर्ववर्ती राजाओं के लिए अनेक मुमले उछालने के अन्तरराष्ट्रीय अवमूल्यन को तरहदिन परदिन नोचिगरती जा रही है। राजा ही सिया के राज्य के सपने देखने लगे। राजनीति को धर्म और राष्ट्रवाद का चसन में डुबाने के बाद राजा कोई दूसरी भी सत्ता मिलगई। पर देश को साम्रदायिकता और चरम राष्ट्रवाद की शृंगर ने जकड़ लिया था। किसी समय घट-घट में रमने वाले राम चोटी, तिलक एवं जनेऊ और खतनाए टोपी तथा दाढ़ी देख कर वास करने लगे थे। जिसमें का सथ बरितियाँ भी राम और अरल्लाह की दुकानें बन गई। राम सत्ता के साथ थे, इसलिए अरल्लाह की दुकानें टूटी होती गई। लेकिन राम का दायरा अपने जन्मस्थान से शिव और कृष्ण की नगरी तक जा पहुँच था। शिव और कृष्ण ने कभी अपनी जमीन पर कब्जे की शिकायत नहीं की।

पर अल्लाह के समय देखते हुए सहमे से बिना किसी शिकायत के अपने टूटे-फूटे टपरे को संभालने में लगे रहते थे। किस्सेबाज़ राजा को प्रजा जब भी अपनी कोई समस्या बताती, राजा उन्हें रामराज्य के सपने बेचना शुरू कर देता। बात की हांडी में बात का चप्पा-भात चढ़ाकर राजा उन्हें फ्री में भरपेट सपने बेचता और लोग डकार मारना शुरू कर देते। थोके में सपने देखने वाली प्रजा कभी अजीर्ण की शिकायत भी नहीं करती थी। राजा ही सिया के ब्याह में खुरपी के गीत गाता था और लोग ऐसे अनेमल सपनों में राजा की नुगलबंदी करते। उसके रामराज्य के पाँच आदर्शवाक्य थे- कुतर्क ही विद्वता का पर्याय है, अनपढ़ता अभिशाप नहीं क्योंकि राजा भी अनपढ़ है, चाटुकारिता सफलता की सीढ़ी है, देशद्रोह में सभी द्रोह समाहित हैं और महानता कार्यों से ही सिद्ध नहीं होती, उसके लिए मित्या प्रचार और पुरस्कार ही कापी है।

प्रो. संजय द्विवेदी

आज के भारत का मिजाज, अयोध्या में स्पष्ट दिखता है। आज यहां प्रगति का उत्सव है, तो कुछ दिन बाद यहां परंपरा का उत्सव भी होगा। आज यहां विकास की भव्यता दिख रही है, तो कुछ दिनों बाद यहां विरासत की भव्यता और दिव्यता दिखने वाली है।

आज पूरी दुनिया उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊँचाई पर पहुँचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। इसलिए आज का भारत, पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक समय था जब अयोध्या में राम लला टेंट में विराजमान थे, लेकिन आज राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण एक अन्धक संघर्ष का प्रतीक है। अयोध्या यानि वह भूमि जहां कभी युद्ध हुआ हो। ऐसी भूमि पर कलयुग में एक लंबी लड़ाई चली और त्रेतायुग में पैदा हुए रघुकुल गौरव भगवान श्रीराम को आखिरकार छत नसीब होने वाली है। राजनीति कैसे साधारण विषयों की परिणति आखिरकार मुद्दे में तब्दील कर देती है, रामजन्मभूमि का विवाद इसका उदाहरण है। आजादी मिलने के समय सोमनाथ मंदिर के साथ ही यह विषय हल हो जाता तो कितना अच्छा होता। परिणति आखिरकार ऐतिहासिक न्याय ही होता है। यह बहुत संतोष की बात है कि भारत की न्याय प्रक्रिया के तहत आए फैसले से मंदिर का निर्माण संभव हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अर्थ में सौख्यशाली हैं कि उनके कार्यकाल में इस विवाद का गौरवन्तापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उग्रर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और युद्ध रहे श्री दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही श्री अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपने कार्यकाल में इस विवाद को गौरवन्तापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उग्रर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और युद्ध रहे श्री दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही श्री अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपने कार्यकाल में इस विवाद का गौरवन्तापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

इस आंदोलन से जुड़े अनेक नायक आज दुनिया में नहीं हैं। उनकी स्मृति आती है। मुझे ध्यान है उग्रर प्रदेश में कांग्रेस के नेता और युद्ध रहे श्री दाऊदयाल खन्ना ने मंदिर के मुद्दे को आठवें दशक में जोरशोर से उठाया था। उसके साथ ही श्री अशोक सिंहल जैसे नायक का आगमन हुआ और उन्होंने अपने कार्यकाल में इस विवाद का गौरवन्तापूर्ण हल निकल सका और मंदिर निर्माण हो सका।

अच्छा होता कि इस कार्य को साझी समझ से हल कर लिया जाता। किंतु राजनैतिक अग्रहों ने ऐसा होने नहीं दिया। कई बार जिदें कुछ देकर नहीं जातीं, भरोसा, सद्भाव और भाईचारे पर ग्रहण जरूर लगा देती हैं।

दुनिया के किसी देश में यह संभव नहीं है उसके आराध्य इतने लंबे समय तक मुकदमों का सामना करें। किंतु यह हुआ और सारी मुकदमें ये इसे देखा। यह भारत के लोकतंत्र, उसके न्यायिक-सामाजिक मूल्यों की स्थापना का समर्थ भी है। यह सिर्फ मंदिर नहीं है जन्मभूमि है, हमें इसे कभी नहीं भूलना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का मानस क्या रहा होगा, कहने की जरूरत नहीं है। किंतु हर भारतवासी का राम से रिश्ता है, इसमें भी कोई दो राय नहीं है। वे हमारे प्रेरणापुरुष हैं, इतिहास पुरुष हैं और उनकी लोकव्यक्ति विस्मयकारी है। ऐसा लोकनायक न सदियों में हुआ है और न होगा। लोकजीवन में, साहित्य में, इतिहास में, भूगोल में, हमारी प्रदर्शनकलाओं में उनकी उपस्थिति बताती है राम किस्से के साधारण विषयों का जीवन है।

राम शब्द संस्कृत की 'रम' क्रीड़ायाम धातु से बना है अर्थात हरेक मनुष्य के अंदर रमण करने वाला जो चैतन्य-स्वरूप आत्मा का प्रकाश दिग्गमान है, वही राम है। राम को शील-सदाचार, मंगल-मैत्री, करुणा, क्षमा, सौंदर्य और शक्ति का पर्याय माना गया है। कोई व्यक्ति सतत साधना के द्वारा अपने संस्कारों का परिशोधन कर राम के इन तमाम सत्यों को अंगीकार कर लेता है, तो उसका चित्त इतना निर्मल और पारदर्शी हो जाता है कि उसे अपने अंतःकरण में राम के अस्तित्व का अहसास होने लगता है। कदाचित यही वह अवस्था है जब संत कबीर के मुख से निकला होगा,

‘मोको कहां ढूँढे रे बंदे, मैं तो तेरे पासमें ना मैं मंदिर ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में।’

राम, दशरथ और कौशल्या के पुत्र थे। संस्कृत में दशरथ का अर्थ है- दस रथों का मालिक। अर्थात पांच कर्मद्वियों और पांच ज्ञानेद्वियों का स्वामी। कौशल्या का अर्थ है- ‘कुशलता’। जब कोई अपनी कर्मद्वियों पर संयम रखते हुए अपनी ज्ञानेद्वियों को मर्यादापूर्वक सन्मार्ग की ओर प्रेरित करता है, तो उसका चित्त स्वाभाविक रूप से राम में रमने लगता है। पूजा-अर्चना की तमाम सामग्रियां उसके लिए गौण हो जाती हैं। ऐसे व्यक्ति का व्यक्तित्व इतना सहज और सरल हो जाता है कि वह जीवन में आने वाली तमाम मुश्किलों का स्थितप्रज्ञ होकर मुस्कुराते हुए सामना कर लेता है। भारतीय जनमानस में राम का महत्व इसलिए नहीं है कि उन्होंने जीवन में इतनी मुश्किलें झेलीं, बल्कि उनका महत्व इसलिए है, क्योंकि उन्होंने उन तमाम कठिनाइयों का सामना बहुत ही सहजता से किया। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी इसलिए कहते हैं, क्योंकि अपने सबसे मुश्किल क्षणों में भी उन्होंने स्वयं को बेहद गरिमापूर्ण रखा।

राम का होना पर्यदाओं का होना है, रिश्तों का होना है, संवेदना का होना है, सामाजिक न्याय का

होना है, करुणा का होना है। वे सही मायनों में भारतीयता के उच्चादर्शों को स्थापित करने वाले नायक हैं। उन्हें ईश्वर कहकर हम अपने से दूर करते हैं। जबकि एक मनुष्य के नाते उनकी उपस्थिति हमें अधिक प्रेरित करती है। एक आदर्श पुत्र, भाई, सखा, न्यायप्रिय नायक हर रूप में वे संपूर्ण हैं। उनके राजत्व में भी लोकतत्व और लोकतंत्र के मूल्य समाहित हैं। वे जीतते हैं किंतु हड़पते नहीं। सुग्रीव और विभीषण का राजतिलक करके वे उन मूल्यों की स्थापना करते हैं जो विश्वशांति के लिए जरूरी हैं। वे आक्रामकनारी और विध्वंशक नहीं हैं। वे देशों का भूगोल बदलने की आसुरी इच्छा से मुक्त हैं। वे मुक्त करते हैं बांधते नहीं। अयोध्या उनके मन में बसती है। इसलिए वे कह पाते हैं,

जनेनी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

यानि जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है। अपनी माटी के प्रति यह भाव प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी नागरिक का भाव होना चाहिए। वे नियमों पर चलते हैं। अति होने पर ही शक्ति का आश्रय लेते हैं। उनमें अपार धीरज है। वे समुद्र की तीन दिनों तक प्रार्थना करते हैं।

विनय न मानत जलधि जङ्ग गए तीन दिन बीति

बोले राम सकोप तब भय बिनु होहि न प्रीति।

यह उनके धैर्य का उच्चादर्श है। वे वाणी से, कृति से किसी को दुख नहीं देना चाहते हैं। वे चेहरे पर हमेशा मधुर मुस्कान रखते हैं। उनके घोरदोस्त नायक की छवि उन्हें बहुत अलग बनाती है। वे जनता के प्रति समर्पित हैं। इसलिए तुलसीदास जी रामराज की अप्रतिम छवि का वर्णन करते हैं-

दैहिक दैविक भौतिक तापा, रामराज काहुँहि नहीं व्यापा।

राम ने जो आदर्श स्थापित किए उस पर चलना कठिन है। किंतु लोकमन में व्याप्त इस नायक को सबने अपना आदर्श माना। राम सबके हैं। वे कबीर के भी हैं, रहीम के भी हैं, वे गांधी के भी हैं, लोहिया के भी हैं। राम का चरित्र सबको बांधता है। अनेक रामायण और रामचरित पर लिखे गए महाकाव्य इसके उदाहरण हैं। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त स्वयं लिखते हैं-

रामतुहारा चरित स्वयं ही काव्य है कोई कवि बन जाए, सहज संभाव्य है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति के ऐसे वटवृक्ष हैं, जिनकी पावन छाया में मानव युग-युग तक जीवन की प्रेरणा और उपदेश लेता रहेगा। जब तक श्रीराम जन्-जन के हृदय में जीवित है, तब तक भारतीय संस्कृति के मूल तत्व अजर-अमर रहेंगे। श्रीराम भारतीय जन-जीवन में धर्म भावना के प्रतीक हैं, उनमें मानवोचित और देवोचित गुण थे, इसलिए वे हमर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र भारत की सीमाओं को लोंचकर विदेशियों के लिए भी शांति, प्रेरणा और नवजीवनदायक बनता जा रहा है। श्रीराम धर्म के साक्षात् स्वरूप हैं, धर्म के किसी अंग को देखना है, तो राम का जीवन देखिये, आपको धर्म की असली



आईबीएल फाइनेंस आईपीओ और ज्योति सीएनजी ऑटोमेशन का खुला आईपीओ, मिल रहा है जबरदस्त रिस्पांस

बाजार में आईपीओ का सिलसिला जारी है। आज निवेशकों के लिए IBL Finance IPO और Jyoti CNC Automation का आईपीओ खुल गया है। इन दोनों आईपीओ को निवेशकों से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। आईबीएल फाइनेंस आईपीओ 2 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हो गया है। वहीं Jyoti CNC Automation आईपीओ कुछ घंटे में ही फुल्लो सब्सक्राइब हो गया है। पढ़िए पूरी खबर ..

नई दिल्ली। बाजार में IBL Finance IPO और Jyoti CNC Automation का आईपीओ खुला है। अगल हफ्ते इन दोनों कंपनी के शेयर बाजार में लिस्ट होंगे। इन दोनों कंपनियों को निवेशकों से काफी अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

आईबीएल फाइनेंस आईपीओ
आईबीएल फाइनेंस (IBL Finance) आईपीओ आज निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी के आईपीओ को रिटेल निवेशक काफी पसंद कर रहे हैं। आज कंपनी का आईपीओ अभी तक 2.71 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी को कुल 1.59 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिली हैं। यह आईपीओ 11 जनवरी 2024 को बंद हो जाएगा।

कंपनी इस आईपीओ के जरिये 33.41 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। इस आईपीओ का

प्राइस बैंड 51 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी के आईपीओ का लॉट साइज 2,000 है। इसका मतलब है कि निवेशक को कम से कम 2,000 रुपये के शेयर खरीदने होंगे। कंपनी इस आईपीओ से जुटाए राशि का इस्तेमाल कैपिटल बेस को बढ़ाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करेगी। कंपनी के शेयर 16 जनवरी 2024 को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

ज्योति सीएनजी ऑटोमेशन
ज्योति सीएनजी ऑटोमेशन (Jyoti CNC Automation) का आईपीओ आज निवेशकों के लिए खुल गया। कंपनी के आईपीओ पर रिटेल निवेशक जमकर बोलियां लगा रहे हैं। यह आईपीओ 11 जनवरी 2024 को बंद हो जाएगा। आज कंपनी का आईपीओ खुलने के चंद घंटों के बाद ही पूरी तरह से सब्सक्राइब हो गया है।

कंपनी को 2,58,91,875 शेयरों के लिए बोलियां मिली हैं। 12 बजे तक एनएसई पर कंपनी का आईपीओ 1.48 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 315 रुपये से 331 रुपये है। ज्योति सीएनजी ऑटोमेशन कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल मशीनों की मैन्युफैक्चरिंग करती है। इसके ग्राहकों में इसरो, ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड, टर्किश एयरोस्पेस, एमबीडीए, यूनिपाटर्स इंडिया, टाटा एबीवॉल्ड सिस्टम, टाटा सिकोरस्की एयरोस्पेस, भारत फोर्ज, कल्याणी टेक्नोफोर्ज और बांश लिमिटेड शामिल हैं।

श्रीराम, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए बिजनेस लीडर्स भी तैयार, इन लोगों की रहेगी कार्यक्रम में भागीदारी

देश भर में राम नाम की लहर है। 22 जनवरी को होने वाले भव्य आयोजन के लिए जोरो-शोरों से तैयारियां चल रही हैं। इस समारोह का हिस्सा कई नामी लोग बनने वाले हैं। स्पोर्ट्स आर्ट्स एंटरटेनमेंट ही नहीं बिजनेस जैसे सेक्टर के भी कई बड़े लोग इस समारोह में शामिल होंगे। भारत के टॉप बिजनेस लीडर भी इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

देश भर में राम नाम की लहर है। 22 जनवरी को होने वाले भव्य आयोजन के लिए जोरो-शोरों से तैयारियां चल रही हैं। इस समारोह का हिस्सा कई नामी लोग बनने वाले हैं। स्पोर्ट्स, आर्ट्स, एंटरटेनमेंट ही नहीं, बिजनेस जैसे सेक्टर के भी कई बड़े लोग इस समारोह में शामिल होंगे। इसी कड़ी में भारत के टॉप बिजनेस लीडर भी इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

मुकेश अंबानी से लेकर अदाणी
होंगे आयोजन में शामिल
रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी से लेकर आदित्य बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला, टाटा संस के एन चंद्रशेखरन और अदाणी समूह के गौतम अदाणी जैसे टॉप बिजनेस लीडर इस समारोह में शामिल होंगे।

10 हजार से ज्यादा लोगों की होगी भागीदारी
इस समारोह के लिए 10 हजार से ज्यादा लोगों की गेस्ट लिस्ट तैयार हुई है। मंदिर ट्रस्ट की ओर से हिंदुस्तान यूनिलीवर (HUL) के पूर्व सीईओ संजीव मेहता, वेदांत समूह के अनिल



अग्रवाल, पीरामल एंटरप्राइजेज के अजय पीरामल, रेमंड ग्रुप के गौतम सिंघानिया और टीबीएस के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन जैसे बिजनेस लीडर्स को समारोह के लिए इन्विटेशन भेजा गया है। इसके अलावा, Bharat Forge के

बाबा कल्याणी, अमित कल्याणी, एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स (Emcure Pharmaceuticals) के सीईओ और एमडी सतीश मेहता और एलएंडटी के सीएमडी एसएन सुब्रमण्यम को भी इस लिस्ट में शामिल किया गया है।

आम श्रद्धालुओं को भी मिलेगा मोका
बता दें, श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा।

मंदिर के लिए रामलला की मूर्ति को चुन लिया गया है। इस भव्य आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या पहुंचेंगे। कार्यक्रम पूरा होने के बाद आम श्रद्धालुओं को भी राम मंदिर के दर्शन करने का मौका मिलेगा।

इनसाइड

गुजरात वासियों को पीएम मोदी ने दी नई सौगात, शुरू हुआ Vibrant Global Trade Show

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात समिट में शामिल हुए। इस समिट में उन्होंने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो 2024 का उद्घाटन किया। इस शो में कुल 20 देश भाग ले रहे हैं। यह शो वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के दसवें संस्करण से पहले किया गया था। इस समारोह का उद्घाटन करते समय पीएम और अन्य अधिकारियों का स्वागत करने के लिए स्थानीय कॉलेजों के छात्र मौजूद थे।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात समिट में शामिल हुए हैं। इस शिखर सम्मेलन की पूर्व संस्था पर पीएम मोदी ने गुजरात वासियों को नई सौगात दिया है। उन्होंने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो 2024 का उद्घाटन किया। यह एक प्रदर्शनी है। यह शो हेलोपेड ग्राउंड प्रदर्शनी केन्द्र के 2 लाख वर्ग मीटर में फैली है। इस शो में कुल 20 देश भाग ले रहे हैं। जिसका उद्घाटन वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के दसवें संस्करण से पहले किया गया था। इस समिट का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। आपको बता दें कि पीएम मोदी अपने गृह राज्य की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। वह दोहरा 3 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्टालों का दौरा किया। इस समारोह का उद्घाटन करते समय पीएम और अन्य अधिकारियों का स्वागत करने के लिए स्थानीय कॉलेजों के छात्र मौजूद थे। गुजरात दौरे के पहले दिन पीएम मोदी ने महात्मा गांधी मंदिर में मौजाम्बिक, तिमोर, तिमोर-लेस्ते के राष्ट्राध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

एसबीआई, एसडीएफसी, आईसीआईसीआईआई और एक्सिस के ग्राहक ध्यान दें, क्रेडिट कार्ड को लेकर बदल गए हैं अब नियम

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बैंकों ने ग्राहकों के लिए क्रेडिट कार्ड के नियमों को लेकर कुछ नए बदलाव किए हैं। अगर आप भी SBI, HDFC Bank, ICICI Bank और Axis Bank के ग्राहक हैं तो क्रेडिट कार्ड को लेकर हुए इन बदलावों को चेक करना और भी जरूरी हो जाता है। Paytm SBI Credit Card पर किराये से जुड़े ट्रॉजेंक्शन पर अब कैशबैक की सुविधा मौजूद नहीं है।

नई दिल्ली। भारतीय बैंकों ने ग्राहकों के लिए क्रेडिट कार्ड के नियमों को लेकर कुछ नए बदलाव किए हैं। अगर आप भी SBI, HDFC Bank, ICICI Bank और Axis Bank के ग्राहक हैं तो क्रेडिट कार्ड को लेकर हुए इन बदलावों को चेक करना और भी जरूरी हो जाता है।

इन बैंकों ने बदले क्रेडिट कार्ड के नियम
भारतीय स्टेट बैंक
Paytm SBI Credit Card पर किराये से जुड़े ट्रॉजेंक्शन पर अब कैशबैक की सुविधा मौजूद नहीं है। यह बदलाव 1 जनवरी 2024 से लागू हो चुका है।

SBI Card पर EazyDiner ऑनलाइन खरीदारी के लिए 10X



रिवाइड पॉइन्ट को लेकर नया बदलाव हुआ है। इस बदलाव के साथ यह SX रिवाइड पॉइन्ट होगा। हालांकि, Apollo 24x7, BookMyShow, Cleartrip, Dominos, Myntra, Netmeds, और Yatra के लिए कार्ड में 10X रिवाइड पॉइन्ट ही जुड़ेगा। ये बदलाव 1 नवंबर, 2023 से लागू हो चुके हैं।

एचडीएफसी बैंक
एचडीएफसी बैंक ने अपने दो पॉपुलर कार्ड Regalia और

Millenia को लेकर बदलाव किए हैं। इन कार्ड को लेकर नए बदलाव 1 दिसंबर 2023 से ही लागू हो चुके हैं। लार्डज एक्सेस प्रोग्राम क्रेडिट कार्ड खर्च पर आधारित होगा। ग्राहक 2 कम्प्लीमेंट्री लार्डज एक्सेस वाउचर का फायदा उठा सकते हैं। लार्डज एक्सेस प्रोग्राम क्रेडिट कार्ड खर्च पर आधारित होगा। ग्राहक 1 कम्प्लीमेंट्री लार्डज एक्सेस वाउचर का फायदा उठा सकते हैं।

आईसीआईसीआई बैंक
बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड होल्डर्स

के लिए एयरपोर्ट लार्डज के एक्सेस फायदों को लेकर बदलाव किए हैं। इसके अलावा, रिवाइड पॉइन्ट्स नियमों को लेकर भी बदलाव हुए हैं।

एक्सिस बैंक
एक्सिस बैंक ने भी अपने क्रेडिट कार्ड होल्डर्स के लिए नियमों को लेकर बदलाव किया है। बैंक ने एक्सिस बैंक मैगनस क्रेडिट कार्ड बनेफिट और एनुअल चार्ज, ज्वाइनिंग गिफ्ट को लेकर बदलाव किया है। बैंक ने एक्सिस बैंक रिजर्व क्रेडिट कार्ड के नियम और शर्तों को भी बदला है।

एलआईसी जीवन किरन : टर्म पॉलिसी में धारक को मिलता है कई लाभ, पढ़ें इस बीमा के फीचर्स

परिवहन विशेष न्यूज

आज के समय में इश्योरेंस प्लान काफी जरूरी हो गया है। जीवन बीमा निगम ग्राहकों के लिए कई लाइफ इश्योरेंस प्लान लॉन्च करते हैं। अगर आप भी लाइफ इश्योरेंस लेने का सोच रहे हैं तो आपको LIC Jeevan Kiran Insurance Policy के फीचर्स को चेक करना चाहिए। आज हम आपको इस पॉलिसी के फीचर्स के बारे में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। फैमिली को फाइनेंशियली सपोर्ट देने के लिए हमें लाइफ इश्योरेंस करवाना जरूरी होता है। इश्योरेंस प्लान में आप खुद के साथ अपनी फैमिली को सिक्वोर कर सकते हैं। एलआईसी ने जीवन किरण प्लान लॉन्च किया है। यह एक टर्म इश्योरेंस प्लान है। एलआईसी की जीवन किरण प्लान में नॉन-लिंग्वड, सेविंग्स, लाइफ इश्योरेंस प्लान आदि सुविधा शामिल है।

क्यों खरीदना चाहिए टर्म इश्योरेंस प्लान

टर्म इश्योरेंस प्लान कामकाजी लोगों के लिए सही है। इसमें फैमिली के साथ लाइफ को मृत्यु से खुद को बचाना चाहिए। इस प्लान में पॉलिसी होल्डर और उसकी फैमिली को फाइनेंस सिक्वोरिटी देती है। इस पॉलिसी में आपको डेथ बेंफिट भी मिलता है।

डेथ इन्डरेस्ट

● ● ● ● ●



पॉलिसी होल्डर की मृत्यु के बाद इश्योरेंस की राशि नॉमिनी को मिलती है। यह राशि एकमुश्त दी जाती है। अगर नॉमिनी चाहे तो वह एकमुश्त राशि को किस्तों में ले सकते हैं। यह मासिक, तिमाही, छमाही या फिर वार्षिक आधार पर इश्योरेंस की राशि ले सकते हैं। पॉलिसी होल्डर इन ऑप्शन को अपने जीवन किरण के दौरान सेलेक्ट कर सकते हैं।

मैच्योरिटी बेंफिट

● ● ● ● ●

एलआईसी जीवन किरण पॉलिसी में मैच्योरिटी के बाद पॉलिसी होल्डर मैच्योरिटी के बाद निवेश राशि को एकमुश्त भी ले सकते हैं। इसके अलावा वह सेलेक्ट कर सकते हैं कि वह निवेश कैसे करें। वह चाहे तो मासिक, तिमाही, छमाही या वार्षिक आधार पर भुगतान कर सकते हैं। इस पॉलिसी में मासिक आधार पर न्यूनतम 5,000 रुपये का निवेश किया जा सकता है।

बीमाधारक की मृत्यु के बाद नॉमिनी को

● ● ● ● ●

मिलेगा डेथ बेंफिट

अगर पॉलिसी होल्डर की मृत्यु हो जाती है तो पॉलिसी की निवेश राशि नॉमिनी को मिलेगी। कंपनी पूरी निवेश राशि का भुगतान एकमुश्त किया जाएगा। वैसे नॉमिनी सेलेक्ट कर सकता है कि वह राशि एकमुश्त लेगा या फिर किस्तों में लेगा। बीमाधारक की शर्तों के तहत उपलब्ध सभी लाभ या डेथ बेंफिट का लाभ उठाने के लिए जीवनकाल में कभी भी इस ऑप्शन को सेलेक्ट कर सकते हैं।

● ● ● ● ●

2 लाख करोड़ के पार पहुंचा Bajaj Auto का M-Cap, कंपनी के स्टॉक में आज आई जबरदस्त तेजी

शेयर बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स और निफ्टी में Bajaj Auto तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। कंपनी के शेयर 6 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। कंपनी ने 4000 करोड़ रुपये तक के स्टॉक बायबैक की घोषणा की थी। इसके बाद कंपनी के शेयर के साथ एम-कैप में भी तेजी देखने को मिली है।

नई दिल्ली। शेयर बाजार में बजाज ऑटो (Bajaj Auto) के शेयर में तेजी देखने को मिली है। कंपनी के स्टॉक 6 फीसदी की तेजी के साथ 52-सप्ताह के उच्चतम सतर पर पहुंच गए हैं। दरअसल, कंपनी ने 4,000 करोड़ रुपये तक के शेयर को बायबैक करने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद कंपनी के स्टॉक में तेजी देखने को मिली है। बीएसई पर कंपनी के शेयर 6.21 फीसदी की तेजी के साथ 7,420 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.94 फीसदी की बढ़त के साथ 7,399 रुपये प्रति शेयर ट्रेड कर रहा है। इसके बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अब कंपनी का एमकैप 2,01,50647 करोड़ रुपये हो गया है।

इस वजह से शेयर में आई तेजी

कंपनी के बोर्ड ने सोमवार को 10 रुपये अंकित मूल्य के 40,00,000 शेयरों को 10,000 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर बायबैक करने का प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कंपनी 4,000 करोड़ रुपये से अधिक कीमत तक शेयर को बायबैक नहीं करेगी। बायबैक शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। शेयर बायबैक एक ऐसी प्रथा है जहां कंपनियां अपने मौजूदा शेयरधारकों से खुले बाजार के माध्यम से अपने शेयर खरीदने का फैसला लेती हैं।



● ● ● ● ●

● ● ● ● ●

22 जनवरी को गाजियाबाद-नोएडा के स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी, सीएम योगी ने लिया फैसला

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बड़ा फैसला लिया है। राज्य में 22 जनवरी को सभी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। सीएम योगी ने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखते हुए यह फैसला लिया है। योगी ने कहा कि राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थान 22 जनवरी को बंद रहेंगे। इसके साथ ही राज्य में शराब की दुकानें भी बंद रहेंगी।

नोएडा/गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बड़ा फैसला लिया है। राज्य में 22 जनवरी को सभी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। सीएम योगी ने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखते हुए यह फैसला लिया है।

बंद रहेंगी शराब की दुकानें

योगी ने कहा कि राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थान 22 जनवरी को बंद रहेंगे। इसके साथ ही राज्य में 22 जनवरी यानी प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन शराब की दुकानें भी बंद रहेंगी। बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

अयोध्या धाम

22426 वंदे भारत एक्सप्रेस

15558 अमृत भारत एक्सप्रेस

14206 दिल्ली फ़ैजाबाद एक्सप्रेस

12226 कैफ़ियत एक्सप्रेस

15716 गरीब नवाज एक्सप्रेस

13484 फरक्का एक्सप्रेस

15623 भगत की कोठी कामख्या एक्सप्रेस

14018 सदभावना एक्सप्रेस

15026 आनंद विहार टर्मिनल मऊ एक्सप्रेस

15116 लोकनाथक एक्सप्रेस

अवैध कॉलोनियां बसने से परेशान नगर निगम, एक सप्ताह में ढहाए 240 से ज्यादा अवैध निर्माण; अभी भी चल रहा बुलडोजर

कभी दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की संख्या गिनी चुनी होती थी लेकिन अब आलम यह है कि राजधानी में दो हजार अवैध कॉलोनियां हैं और इनमें 50 लाख से ज्यादा की आबादी रहती है। प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती पहले इन कॉलोनियों में बिजली पानी और सड़क सीवर के साथ ही साफ-सफाई की व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

नई दिल्ली। कभी दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की संख्या गिनी चुनी होती थी, लेकिन अब आलम यह है कि राजधानी में दो हजार अवैध कॉलोनियां हैं और इनमें 50 लाख से ज्यादा की आबादी रहती है। प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती पहले इन कॉलोनियों में बिजली, पानी और सड़क, सीवर के साथ ही साफ-सफाई की व्यवस्था उपलब्ध कराना है। साथ ही इन

कॉलोनियों को नियमित करने में आ रही परेशानी भी है। यही वजह है कि इन कॉलोनियों के नियमतीकरण की प्रक्रिया के साथ-साथ निगम अब कृषि भूमि पर कोई भी नई कॉलोनी नहीं बसने देना चाहता है। अवैध निर्माण के खिलाफ चल रहे अभियान का भी यही उद्देश्य है। निगम ने एक सप्ताह में 240 से ज्यादा अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 69 एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करा दिया है। निगम के अभियान के तहत दो जनवरी से आठ जनवरी तक 201 अवैध निर्माण गिराने की कार्रवाई हुई। इसमें 41 संपत्तियों को सील किया गया और 60 एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। इसमें 25 ऐसे अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की गई जो अवैध कॉलोनियां बसाने के लिए की गई थीं।

मंगलवार को दिल्ली नगर निगम ने 42 अवैध निर्माण को ध्वस्त करने का कार्य किया। इसमें से दो संपत्ति को सील किया गया। सात स्थानों पर यह अभियान चला। इसमें अवैध कॉलोनी बसाने के उद्देश्य से बनाई गई संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। इससे निगम ने नौ एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया।

बाहरी और दक्षिणी दिल्ली में है ज्यादा दिक्कत

निगम ने अवैध निर्माण के खिलाफ

कार्रवाई जारी रखने का ऐलान तो किया ही है। साथ ही बताया है कि सर्वाधिक अवैध कॉलोनियां बसाने की शिकायतें बाहरी और दक्षिणी दिल्ली में आ रही है। यही वजह है कि जो कार्रवाई चल रही है उसमें डेरा मांडी, भाटी, वसंत कुंज, आया नगर, छत्तरपुर, बुराड़ी, सिरसपुर, भलस्वा, स्वरूप नगर, ढिचाउं कलां, दीनदरपुर, बाबा हरीदास नगर, नरेला, बख्तावरपुर, मुंडका, होलबी खुर्द, लामपुर, बवाना जैसे इलाके शामिल हैं।

मास्टर प्लान के अनुसार हर साल चाहिए एक ड्रवैलिंग यूनिट बनानी



बालेसोर बिजेड़ी नेता का आंदोलन, आंदोलनकारी ने मानहानि का आरोप लगाया

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वर: जब आम चुनाव होता है तो बालेसोर बिजेड़ी में जो समूह सामने आया उसने विस्फोटक रूप ले लिया है। सैकड़ों महिलाएं अपनी पार्टी के विधायकों के खिलाफ सड़कों पर उतर आई हैं और आरोप लगाया है कि पार्टी में उनका अपमान किया गया। कल, पूर्व सांसदों के एक समूह ने जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया, जबकि पूर्व सांसदों के एक समूह ने एनवाई पुलिस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी की सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने गांधी स्मृति भवन से मार्च निकाला और जिलाधिकारी कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। उन्होंने

सदर विधायक के रूप में दास का विरोध करते हुए पूर्व सांसद रवीन्द्र जेना के समर्थन में एक रैली का आयोजन किया। एक शिकायतकर्ता ने कहा, हम एक अनुशासित टीम में हैं। इसलिए हमने बहुत सोचने के बाद ऐसा कदम उठाया है। किसी को असम्मानजनक कहना बहुत ही निंदनीय है, यह हमारे लिए बहुत कठिन है। हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। मुख्यमंत्री जहां हमेशा मां का सम्मान करते हैं, वहीं यहां कुछ लोग उनकी छवि निंदनीय है, यह हमारे लिए बहुत कठिन है। कुछ विधायकों के समर्थकों ने ऐसा अभियान चलाया है, हम उनके खिलाफ शिकायत कर रहे हैं। हालांकि, वादी पक्ष



ने बताया है कि वे अगले एक-दो दिन में प्रेस वार्ता करेंगे और मीडिया के सामने सारी बातें बताएंगे। विधायक समर्थक सबसे पहले बैठक में जाकर बैठें। बाद में,

पार्षद रंजीता महापात्रा और उनके समर्थक, पूर्व सांसद रवीन्द्र कुमार जेना का समर्थन करने के लिए धरने पर चले गए। उस समय तक उनके बैठने के लिए

कोई सीट नहीं थी। जिसे लेकर सभा में दो गुट आपस में भिड़ गये, यहाँ तक कि धक्का-मुक्की और चीख-पुकार भी होने लगी।

हंगामे में बालेसोर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष सनत कुमार दास की शर्ट फट गई। बैठक में बिजेड़ी के दो गुटों की इस उलझन को देख भीड़ हैरान रह गई। बाद में पार्षद रंजीता महापात्रा को पत्रकारों के लिए आरक्षित सीट पर बैठाया गया। तब भ्रम शांत हुआ। लेकिन, नारी जाति का अन्याय करते हुए सैकड़ों महिलाएं राजरास्ता पर उतर आई हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने किसकी शिकायत जिलाधिकारी से की है।

दिल्ली में दर्दनाक सड़क हादसा: दो मोटरसाइकिलों के टकराने से सड़क पार कर रही मां और उसके दो वर्षीय बेटे की मौत

दिल्ली में एक 32 वर्षीय महिला और उसके दो वर्षीय बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों को एक मोटरसाइकिल ने मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास टक्कर मार दी थी। पुलिस ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। मृतकों की पहचान सीमा और दक्ष के रूप में हुई है। बाइक चला रहा प्रशांत श्रीवास्तव घायल हो गया।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में एक 32 वर्षीय महिला और उसके दो वर्षीय बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों को एक मोटरसाइकिल ने मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास टक्कर मार दी थी। पुलिस ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। मृतकों की पहचान सीमा और दक्ष के रूप में हुई है। बाइक चला रहा प्रशांत श्रीवास्तव घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम 6:45 बजे मादीपुर मेट्रो स्टेशन के पास एक हादसे के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कहा कि उन्हें घटनास्थल के पास एक मोटरसाइकिल मिली और बाद में महाराज अग्रसेन अस्पताल से सूचना मिली कि तीन लोग अस्पताल लाए गए हैं। सीमा और उनके



बेटे दक्ष को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि प्रशांत श्रीवास्तव (32) अस्पताल में घायल पाए गए। पुलिस को जांच में पता चला कि एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने

पहले प्रशांत की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जो सीमा को लगी। वह अपने बेटे के साथ सड़क पार कर रही थी। पुलिस ने कहा कि हमलावर वाहन

और उसके मालिक की पहचान कर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर दो मेडल विजेता बाक्सर देवेन्द्र सिंह का संगम विश्वविद्यालय पहुंचने पर किया अभिनंदन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। संगम विश्वविद्यालय के छात्र देवेन्द्र सिंह सोलंकी के राष्ट्रीय स्तर के दो प्रतिष्ठित इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैम्पियनशीप में भाग लेकर तथा दोनों ही में कांस्य पदक जीतकर आज संगम विश्वविद्यालय पहुंचने पर पवाईस चॉंसलर प्रो. करुणेश सक्सेना प्रो. -वाईस चॉंसलर प्रो. .मानस रंजन पाणिग्रही, रजिस्ट्रार प्रो. राजीव मेहता, सहायक अधिष्ठाता डॉ. जोरावर सिंह राणावत, डिप्टी डायरेक्टर फिजिकल एजुकेशन संजय शर्मा, पुस्तकालय



विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा ने हार्दिक अभिनंदन किया। संगम विश्वविद्यालय के डीएलआईएस छात्र देवेन्द्र सिंह सोलंकी ने चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय में 23 से 26 दिसम्बर 2023 को आयोजित साऊथ वेस्ट

जोन इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैम्पियनशीप में 46 से 48 किग्रा भार वर्ग में मुम्बई विश्वविद्यालय के बाक्सर को हरा कर कांस्य पदक जीता तथा इसके बाद 2 से 6 जनवरी 2024 को पुनः इसी चण्डीगढ़

विश्वविद्यालय में आयोजित आल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैम्पियनशीप में 46 से 48 किग्रा भार वर्ग में आगरा विश्वविद्यालय के बाक्सर को हरा कर कांस्य पदक जीता। इस अवसर पर बॉक्सिंग प्रभारी राजेश कोली का उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने में सराहनीय सहयोग के लिए अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रकाश नाथर, प्रमिला चौबे, अभिषेक पाराशर, गोपाल भांबी, अर्जुन मेहरा, धीरेन्द्र सिंह रोहित कुमार उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में लाभार्थियों से संवाद कर लिया फीडबैक



परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुर। भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय में सयुक्त सचिव बिजेंद्र स्वरूप ने मंगलवार को जिले के खजूरी ग्राम पंचायत पर आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का अवलोकन किया और ग्रामीणों से बातचीत कर सरकार की योजनाओं एवं शिविर को लेकर फीडबैक लिया। इस मौके पर जिला कलेक्टर टीकम चन्द बोहरा भी उनके साथ रहे।

सयुक्त सचिव ने इस दौरान विभिन्न विभागों के काउंटरों पर जाकर उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं और अर्जित उपलब्धियों के बारे में विस्तार से पूछताछ की और अधिकारियों से कहा कि विभिन्न योजनाओं में लाभान्वितों एवं वंचित पात्र लोगों के आंकड़े हमेशा उनके पास होने चाहिए ताकि हम सयुक्त सचिव ने इस दौरान विभिन्न विभागों के काउंटरों पर जाकर उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं और अर्जित उपलब्धियों के बारे में विस्तार से पूछताछ की और अधिकारियों से कहा कि विभिन्न योजनाओं में लाभान्वितों एवं वंचित पात्र लोगों के आंकड़े हमेशा उनके पास होने चाहिए ताकि हम सयुक्त सचिव ने इस दौरान विभिन्न विभागों के काउंटरों पर जाकर उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं और अर्जित उपलब्धियों के बारे में विस्तार से पूछताछ की और अधिकारियों से कहा कि विभिन्न योजनाओं में लाभान्वितों एवं वंचित पात्र लोगों के आंकड़े हमेशा उनके पास होने चाहिए ताकि हम

कैंप में हो सकने वाले पंजीकरण पर एक्सरसाइज करें तथा फॉलो अप कैंप के जरिए कैंप में चिन्हित प्रकरणों में लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें।

इस दौरान विधायक गोपी चंद मिषा मौजूद रहे जिन्होंने प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन योजना, सोयल हेल्थ कार्ड, ड्रोन से उर्वरक छिड़काव, पीएम विश्वकर्मा योजना, घर-घर जल कनेक्शन, प्राकृतिक खेती और स्वास्थ्य जांच सहित विभिन्न बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर टीकम चन्द बोहरा ने सयुक्त सचिव को जिले में अब तक अर्जित उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी और आश्चर्य किया कि सरकार की मंशा के अनुसार आमजन को शिविरों का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविरों का सम्बंध में दिए जा रहे निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करें।

जिले में अधिक प्रभावी कार्य

सुनिश्चित करने हेतु सयुक्त सचिव ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आयोजित हो रहे शिविर का निरीक्षण करने के पश्चात जलशक्ति मंत्रालय के सयुक्त सचिव बिजेंद्र स्वरूप ने आमजन को केंद्र सरकारी की जनकल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ दिलवाने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर सभागार में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक के दौरान सयुक्त सचिव तथा जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अधिक गुणवत्ता और लगन से कार्य करने के लिए निर्देशित किया तथा नवगठित जिले शाहपुरा को राज्य में नई ऊंचाईयां दिलवाने के लिए प्रोत्साहित किया।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर चन्दन दुबे सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।